डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय ,भदोही

उत्तर प्रदेश

मिशन शक्ति 2025 (फेज-05) **दिनांक : 06.11.2025**

आख्या

विषय :मिशन शक्ति के फेज-05 अंतर्गत "महिला उद्यमियों की कहानियों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रेरणा सत्र" का आयोजन ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय, भदोही में आज मिशन शक्ति फेज-05 के अंतर्गत "महिला उद्यमियों की कहानियों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रेरणा सत्र" आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को महिला उद्यमियों के संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक कहानियाँ वीडियो और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदर्शित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. माया ने कहा कि आज की महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। मिशन शक्ति जैसी योजनाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त बना रही हैं। हमारे छात्र-छात्राओं को इन प्रेरणादायक कहानियों से सीख लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेना चाहिए। इस सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं को भारत की प्रमुख महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियों से परिचित कराया गया, जिनमें शामिल हैं —फाल्गुनी नायर (नायका की संस्थापक और सीईओ), किरण मजूमदार-शॉ (बायोकॉन की संस्थापक), दिव्या गोकुलनाथ (BYJU'S की सह-संस्थापक), कल्पना सरोज (कमानी ट्यूब्स और केएस फिल्म्स प्रोडक्शन की संस्थापक), उपासना टाकू (मोबिक्विक की सह-संस्थापक), शहनाज़ हुसैन (शहनाज़ हर्बल्स की सीईओ), रुचि गर्ग (वेन्यूलुक की संस्थापक), श्रद्धा शर्मा (YourStory मीडिया की संस्थापक), खुशबू जैन (इम्पैक्टगुरु.कॉम की सह-संस्थापक)। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल कर यह सिद्ध किया कि संकल्प, साहस और मेहनत से सफलता संभव है। कार्यक्रम में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) प्रभारी डॉ. राजकुमार सिंह यादव, डॉ. रुस्तम अली, डॉ. अनीश कुमार मिश्र, डॉ. अमर कृष्ण यादव, तथा मिशन शक्ति प्रभारी सुश्री पूनम द्विवेदी उपस्थित रहीं। सभी प्राध्यापकों ने छात्राओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के प्रति प्रेरित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिखा तिवारी एवं डॉ. ऋत्विक रंजन सिंह द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। दोनों ने महिला उद्यमियों की भूमिका, चुनौतियों और उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा छात्राओं को भविष्य में उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मिशन शक्ति फेज-05 के अंतर्गत आयोजित यह "महिला उद्यमियों की कहानियों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रेरणा सत्र" छात्राओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद सिद्ध हुआ। वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों ने जाना कि किस प्रकार महिलाएँ कठिन परिस्थितियों में भी अपनी मेहनत और लगन से सफलता प्राप्त कर समाज में एक मिसाल कायम कर रही हैं। उपरोक्त कार्यक्रम में 30 छात्राएं एवं 20 छात्रों ने भाग लिया |

Maya
प्राचार्या
डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी
राजकीय महाविद्यालय, भदोही

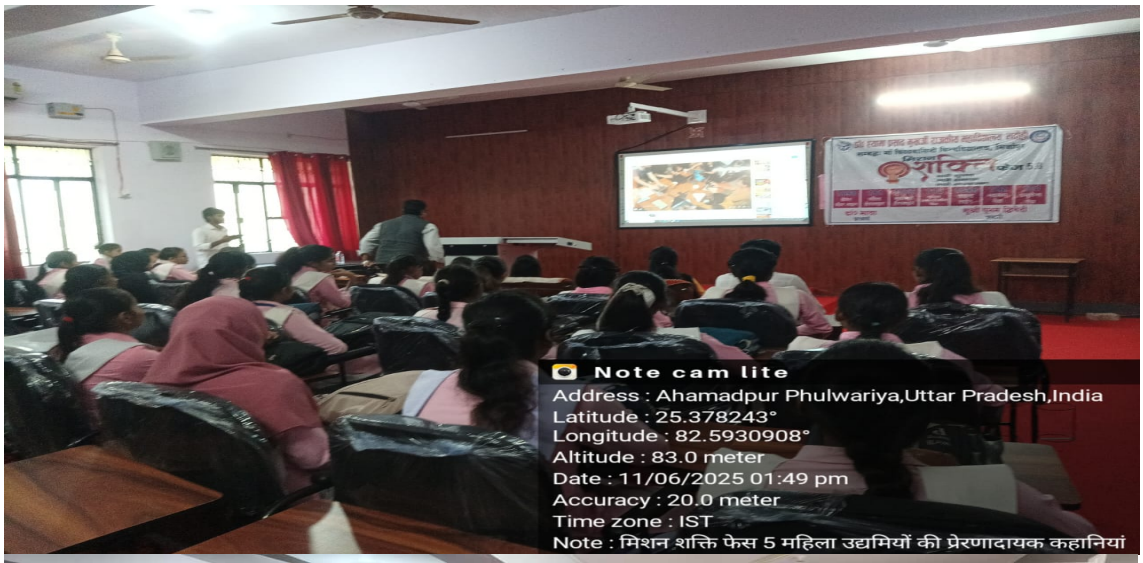
Note cam lite
Address : Ahamadpur Phulwariya,Uttar Pradesh,India
Latitude : 25.378243°
Longitude : 82.5930908°
Altitude : 83.0 meter
Date : 11/06/2025 01:49 pm
Accuracy : 20.0 meter
Time zone : IST
Note : मिशन शक्ति फेस 5 महिला उद्यमियों की प्रेरणादायक कहानियां

YOURSTORY

YOURSTORY

महिला उद्यमियों की कहानियों का प्रस्तुतीकरण

भदोही। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय, भदोही में मिशन शक्ति फेज–5 के अंतर्गत नवाचार परिषद और मिशन शक्ति प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्व तत्वावधान में महिला उद्यमियों की कहानियों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रेरणा सत्र आयोजित किया गया। छात्र–छात्राओं को महिला उद्यमियों के संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक कहानियाँ वीडियो और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रदर्शित की गईं। प्राचार्य डॉ माया ने कहा कि आज की महिलाएँ हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। मिशन शक्ति जैसी योजनाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त बना रही हैं। छात्र–छात्राओं को इन प्रेरणादायक कहानियों से सीख लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेना चाहिए। भारत की प्रमुख महिला उद्यमियों फाल्गुनी नायर (नायका की संस्थापक और सीईओ) किरण मजूमदार–शॉ (बायोकॉन की संस्थापक) दिव्या गोकुलनाथ (बायजू की सह–संस्थापक), कल्पना सरोज (कमानी ट्यूब्स और केएस फिल्म्स प्रोडक्शन की संस्थापक) उपासना टाकू (मोबिक्विक की सह–संस्थापक) शहनाज़ हुसैन (शहनाज़ हर्बल्स की सीईओ), रुचि गर्ग (वेन्यूलुक की संस्थापक) श्रद्धा शर्मा (योर स्टोरी मीडिया की संस्थापक) खुशबू जैन (इम्पैक्टगुरु कॉम की सह–संस्थापक) के जीवन संघर्ष और सफलता को वीडियो और पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ राजकुमार सिंह यादव, इनोवेशन एम्बेसडर डॉ रुस्तम अली, नवाचार परिषद के अध्यक्ष डॉ. अनीश कुमार मिश्र, डॉ. अमर कृष्ण यादव, तथा मिशन शक्ति प्रभारी सुश्री पूनम द्विवेदी उपस्थित रहीं। सभी प्राध्यापकों ने छात्राओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के प्रति प्रेरित किया।

छात्राओं को दिखाई सफलता की कहानी

भदोही। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय में बृहस्पतिवार को मिशन शक्ति पांचवे फेज के तहत महिला उद्यमियों की कहानियों की प्रस्तुतीकरण एवं प्रेरणा सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को महिला उद्यमियों के संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक कहानियां सुनाने के साथ वीडियो के माध्यम से दिखाया गया। प्राचार्य डॉ.माया यादव ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

मिशन शक्ति जैसी योजनाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रहा है। प्राचार्या ने कहा कि आप भी सफल महिलाओं की कहानियों से प्रेरणा लें। समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं। कार्यक्रम के दौरान महिला उद्यमियों फाल्गुनी नायर, किरण मजूमदार-शॉ, दिव्या गोकुलनाथ, कल्पना सरोज, उपासना टाकू, शहनाज हुसैन, रुचि गर्ग, श्रद्धा शर्मा, खुशबू जैन जीवन संघर्ष और सफलता के वीडियो और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिखाए गए। बताया गया कि इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में नई ऊचाइयां हासिल कर यह सिद्ध किया कि संकल्प, साहस और मेहनत से हर सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस मौके पर डॉ.राजकुमार सिंह यादव, डॉ.रुस्तम अली, डॉ.अनीश कुमार मिश्र, डॉ.अमर कृष्ण यादव, पूनम द्विवेदी, डॉ.शिखा तिवारी, डॉ.ऋत्विक रंजन सिंह आदि रहे। संवाद

आज की महिलाएं हर क्षेत्र में बना रहीं है पहचान

भदोही। शहर के रामरायपुर स्थित डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय में गुरुवार को महिला उद्यमियों की कहानियों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रेरणा सत्र का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मिशन नारी शक्ति अभियान के तहत नवाचार परिषद और मिशन शक्ति प्रकोष्ठ द्वारा कराया गया। प्राचार्य डा. माया ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

महिला उद्यमियों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता

- वीडियो के माध्यम से सुनी महिला उद्यमियों के सफलता की कहानी
- छात्राओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के प्रति किया प्रेरित

राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रमुख महिला उद्यमी फाल्गुनी नायर का अनुभव सुनतीं छात्राएं व शिक्षकगण। जागरण

जागरण संवाददाता, भदोही : मिशन शक्ति फेज-05 के अंतर्गत नवाचार परिषद और मिशन शक्ति प्रकोष्ठ की ओर से गुरुवार को डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन किया गया। देश की प्रमुख महिला उद्यमियों की कहानियों का आनलाइन प्रस्तुतीकरण का छात्राओं ने अवलोकन किया। महिला उद्यमियों के संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायक कहानियां वीडियो के माध्यम से प्रदर्शित की गईं। प्राचार्य डा. माया ने कहा कि आज की महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छात्राओं को इन प्रेरणादायक कहानियों से सीख लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेना चाहिए।

प्रमुख महिला उद्यमियों फाल्गुनी नायर (नायका की संस्थापक और सीईओ), किरण मजूमदार-शा (बायोकान की संस्थापक), दिव्या गोकुलनाथ (बायजू की सह-संस्थापक), कल्पना सरोज (कमानी ट्यूब्स और केएस फिल्म्स प्रोडक्शन की संस्थापक), उपासना टाकू (मोबिक्विक की सह-संस्थापक), शहनाज हुसैन (शहनाज हर्बल्स की सीईओ), रुचि गर्ग (वेन्युलुक की संस्थापक), श्रद्धा शर्मा (योर स्टोरी मीडिया की संस्थापक), खुशबू जैन (इम्पैक्टगुरु.काम की सह-संस्थापक) के जीवन संघर्ष और सफलता को वीडियो और पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर यह सिद्ध किया कि संकल्प, साहस और मेहनत से सफलता संभव है।

इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डा. राजकुमार सिंह यादव, इनोवेशन एम्बेसडर डा.रुस्तम अली, नवाचार परिषद के अध्यक्ष डा.अनीश कुमार मिश्र, डा. अमर कृष्ण यादव, मिशन शक्ति प्रभारी पूनम द्विवेदी उपस्थित रहीं। प्राध्यापकों ने छात्राओं को स्वावलंबन और उद्यमशीलता के प्रति प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संयोजन डा. शिखा तिवारी एवं डा. ऋत्विक रंजन सिंह द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। महिला उद्यमियों की भूमिका, चुनौतियों और उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा छात्राओं को भविष्य में उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।